आ जोगियां वे कदे रत्नो दे वेहड़े

तनु मेहने मार बैठी हूँ रोनी आ मैं बैठी,
जद दा छड़ के गया है सुख लगे भी नहीं मेरे,
आ जोगियां वे कदे रत्नो दे वेहड़े,

एडा होया की कसूर दस रत्नो माई तो,
वे मैं मर मर जावा बिना ही आई तो,
तेरे पेंदे ने भुलेखे बैठा धुनें दे नेड़े,
आ जोगियां वे कदे रत्नो दे वेहड़े,

तनु लाड मैं लड़ावा हठी चुरिया खवावा,
तेरे आऊं दी खुशी च मोर मिटटी दे बनावा ,
वे तू लभ दा किते नि फोले जंगल बथेरे,
आ जोगियां वे कदे रत्नो दे वेहड़े,

तेरे जान दा दे पुत्ता दु:ख होया एडा भारा मैनु मोड़ा दें वाला बस तू ही सहारा,
भावे विर्दी तो पूछी तनु चेते कर रोवा हंजू गौए ने भी गेरे,
आ जोगियां वे कदे रत्नो दे वेहड़े,

Source: https://www.bharattemples.com/aa-jogiya-ve-kde-ratno-de-vehde/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw